मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD-5

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

एम.एच.डी.-5 : साहित्य सिद्धान्त और समालोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक खण्ड में से **दो-दो** प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। शेष **एक** प्रश्न का उत्तर किसी भी खण्ड से दिया जा सकता है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड—क

1. प्रतिभा और कल्पना के साम्य-वैषम्य पर विचार करते हुए सृजनकर्म में उनकी भूमिका का महत्व बताइए। 20

2. साधारणीकरण का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए। 20

3. अलंकार संप्रदाय की शक्ति और सीमाओं पर विचार कीजिए। 20

4. शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना की मूल विशेषताओं पर विचार कीजिए। 20

5. प्रगतिशील आलोचना दृष्टि पर प्रकाश डालिए। 20

खण्ड—ख

6. लोंजाइनस के आलोचना सिद्धान्तों की समीक्षा कीजिए। 20

7. ड्राइडन के आलोचना सिद्धान्तों का विवेचन कीजिए। 20

8. टी. एस. इलियट की परंपरा और प्रज्ञा सम्बन्धी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। 20

9. मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र की मूलभूत विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$10 \times 2 = 20$

(क) शब्द-शक्ति

(ख) रीति संप्रदाय

(ग) विरेचन सिद्धान्त

(घ) करुण रस का आस्वाद

(ङ) समाजशास्त्रीय समीक्षा पद्धति